jk"Vªh; efgyk fdlku fnol dk vk;kstu

½15 vDVwcj] 2018 iVuk¼

fnukad 15 vDVwcj] 2018 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में राष्ट्रीय महिला किसान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीया Jherh vk'kk flUgk, माननीय विधायक, दानापुर विधान सभा ने दीप प्रज्ज्वलित कर की।

bl volj ij डॉ जे. एस. मिश्र, फसल विभाग के विभागाध्यक्ष ने कृषि में महिलाओं की भागीदारी पर बल दिया। उन्होंने बताया कि महिलाओं के बिना कृषि कार्य संभव नहीं है अतः महिलाओं को कृषि से संबंधित गतिविधियों में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने की आजादी दी जानी चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में महिलाओं को अधिकाधिक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

डा० शिवानी, प्रधान वैज्ञानिक ने कहा कि महिलाएं फसल बुआई से लेकर फसल कटाई तथा इसके बाद की विभिन्न गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उसी तरह पशुपालन, मुर्गीपालन, मशरूम उत्पादन, पुष्प उत्पादन इत्यादि गतिविधियों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कृषि में महिलाओं की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता।

श्रीमती आशा सिन्हा, माननीय विधायक, दानापुर, पटना विधान सभा ने महिला स्वयं सहायता समूह के जरूरत पर बल दिया और उन्होंने महिलाओं को मशरूम, वर्मीकम्पोस्ट एवं सब्जी उत्पादन से संबंधित प्रशिक्षण पर बल दिया। उन्होने कहा कि कृषि में महिलाओं की अहम भूमिका रेखांकित करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 15 अक्टूबर को राष्ट्रीय महिला किसान दिवस मनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में कराई, नौबतपुर, बिहार से लगभग 60 महिला किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्रीमती पुष्पा देवी, श्रीमती पुनम देवी, श्रीमती शांति देवी (मशरूम, वर्मीकम्पोस्ट एवं सब्जी उत्पादन), श्रीमती ममता देवी (मशरूम एवं सब्जी उत्पादन) एवं श्रीमती रीता देवी (सब्जी एवं मशरूम उत्पादन) को कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ रजनी वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प. का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना ने किया। इस अवसर पर डॉ एस. के. सिंह, डॉ उज्ज्वल कुमार, डॉ. संत कुमार, डॉ कमल शर्मा, डॉ. अभय कुमार एवं डॉ. रीना कमल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीषा टम्टा, वैज्ञानिक भा.कृ.अनु.प. का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना द्वारा किया गया।